Dainik Bhaskar (Indore), 27th June 2025, Page – 06

लर्निंग | IIT निःशुल्क कराएगा माइक्रोरोबोटिक्स कोर्स, कॉलेज स्टूडेंट्स भी कर सकते हैं

सीखेंगे धूल के कण बराबर उपकरणों की वर्किंग और उनकी डिजाइन प्रोसेस

सिटी रिपोर्टर | इंदौर

टेक्नोलॉजी के सेक्टर में लगातार हो रहे इनोवेशन को देखते हुए इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) इंदौर भी स्टूडेंट्स को इससे परिचित करा रहा है। कुछ कोर्स ऐसे कराए जा रहे हैं जो सिर्फ आईआईटी स्टूडेंट्स के लिए ही नहीं बल्कि कॉलेज के सभी छात्र भी कर सकते हैं। दुनियाभर में तेजी से माइक्रोरोबोटिक्स पर काम हो रहा है और इसका कोर्स आईआईटी जुलाई से शुरू कर रहा है। यह अक्टूबर तक चलेगा। इसे राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षा मंच (एनपीटीईएल) और स्वयं पोर्टल के माध्यम से निःशुल्क कराया जाएगा। 12 सप्ताह के कोर्स के बाद परीक्षा नवंबर में होगी। कोर्स का संचालन आईआईटी इंदौर के प्रो. डॉ. आईए पलानी करेंगे। वे माइक्रोरोबोटिक्स, नैनो टेक्नोलॉजी, रोबोटिक्स और बायो मेडिकल इंजीनियरिंग के एक्सपर्ट हैं।

यह कोर्स मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, रोबोटिक्स, मटेरियल्स साइंस, मेकाट्रॉनिक्स और बायोमेडिकल इंजीनियरिंग के स्टूडेंट्स और शोधकर्ताओं के लिए तैयार किया है। इसमें स्टूडेंट्स को धूल के कण जितनी छोटी रोबोटिक्स चीजों के बारे में बताया जाएगा। छोटे यंत्र कैसे बनाए जाते हैं, किस तरह डिजाइन किया जाता है, यह असल जिंदगी में किस तरह काम आते हैं आदि जानकारी दी जाएगी।

यह भी सीखेंगे स्टूडेंट्स

- प्रकृति से सीखकर यंत्रों को बनाने के तरीक जानेंगे
- दवाओं को शरीर में सही जगह तक पहुंचाने की तकनीक
- बिना चीरे के बहुत छोटी सर्जरी कैसे होती है
- कैसे छोटे-छोटे उपकरणों से पर्यावरण की जानकारी ली जा सकती है
- स्केलिंग नियम, छोटे यंत्रों को कैसे बनाया जाता है
- यंत्र सेंसर से आसपास की चीजें कैसे महसूस करते हैं

रिसर्च करने वालों को ज्यादा फायदा

कोर्स कोई भी कर सकता है, चाहें वह कॉलेज स्टूडेंट हो या किसी कंपनी में काम करने वाला प्रोफेशनल। शिक्षक और शोधकर्ता भी इसे कर सकते हैं। हालांकि खासतौर पर वे लोग जो बीई, बीटेक, एमएससी, एमटेक या पीएचडी कर रहे हैं, उनके लिए यह कोर्स ज्यादा फायदेमंद है। कोर्स पूरी तरह मुफ्त है और जुलाई से शुरू होगा।

यह फायदे होंगे

- आईआईटी जैसे बड़े संस्थान से प्रमाणपत्र मिलेगा।
- प्रमाणपत्र ब्लॉकचेन तकनीक आधारित होने से देश-विदेश में भी काम आएगा
- कोर्स पूरा करने के बाद जॉब और रिसर्च के अच्छे मौके मिल सकते हैं
- नई टेक्नोलॉजी की जानकारी बढ़ेगी